ISSN - OLD-2231-3613, NEW-2455-8729
International Educational Journal
CHETANA
UGC APPROVAL NO. - 42652
CC BY
Received on 6th July 2017, **Revised** on 14th July 2017; **Accepted** 14th July 2017

शोध पत्र

बी. एड. प्रशिक्षणार्थियों की जीवन कौशल शिक्षा के प्रति अभिवृत्ति का अध्ययन

*** श्रीमती मालती सक्सेना**
रिसर्च स्कॉलर,
जगदीश प्रसाद झाबरमल टिबड़ेवाल विश्वविद्यालय, चुड़ैला, झुन्झुनू
9799996834 (M)

मुख्य शब्द – *जीवन कौशल शिक्षा, समाजोपयोगी, राष्ट्रोपयोगी व सम्पूर्ण मानवता आदि*

1. पृष्ठभूमि

जीवन कौशल शिक्षा एक संरक्षित कार्यक्रम है जिसका उद्देश्य सकारात्मक और अनुकूल व्यवहार को बढ़ाना है। सामाजिक कौशलों को विकसित करने, जिससे व्यक्तियों में जोखिम कारको को कम किया जा सके और सुरक्षा कार्यक्रमों को अधिकत्तम किया जा सके, इसमें सहायकता करती है। **जीवन कौशल शिक्षा** कार्यक्रम सैद्धान्तिक और प्रमाणिकता पर आधारित, शिक्षार्थी केन्द्रित, निपुण व्यक्तियों द्वारा प्रेषित और उचित रूप से निरंतर मूल्याकंन जिसमें सुधार के साथ–साथ अपेक्षित परिणामों का दस्तावेज सुनिश्चित होता है।

अर्थात् जीवन कौशल शिक्षा वह शिक्षा है जो शिक्षार्थी को समाजोपयोगी, राष्ट्रोपयोगी व सम्पूर्ण मानवता के लिए उपयोगी बना सकें, जीवन के संघर्षो को समझने और उनसे जूझने की क्षमता प्रदान कर सकें। जीवन की आपत्तियों से घबराकर कायरों की तरह पलायन करने की अपेक्षा विवेक सम्मत सामना कर सके।

अतः यह कहा जा सकता है कि **जीवन कौशल शिक्षा** व्यक्ति में ऐसी क्षमता विकसित कर सकती हैं जिसके द्वारा वह अपनी जिन्दगी की आवश्यकताओं और चुनौतियों का प्रभावी रूप से सामना कर सकता हैं।

जीवन में असंख्य कौशल होते है जिनकी प्रकृति व परिभाषा, वातावरण व संस्कृति और परिवेश के अनुसार अलग अलग हो सकते है। 17 फरवरी 2010 में 'हैसबिन' ने जीवन कौशल के विकास में अपने विचार प्रस्तुत किये। इनके अनुसार यूनिसेफ, यूनेस्को और विश्व स्वास्थ्य संगठन ने जीवन कौशल की तकनीकी और व्यूह की एक महत्वपूर्ण सूची शामिल की है। जिसमें **"जीवन कौशल शिक्षा"** निम्नलिखित **दस प्रमुख कौशलों का एक समूहहै।**

- निर्णय लेना — कुशाग्रता
- प्रभावशाली बोलचाल — संवेदना
- आत्मबोध — अन्तर्व्यक्तिक संबंध
- संतुलन — रचनात्मक प्रबन्ध
- समस्या समाधान

जीवन कौशल शिक्षा व्यक्ति व समाज को लम्बी अवधि के लिये लाभ देती है। जिसमें व्यक्तिगत लाभ शैक्षिक लाभ, स्वास्थ्य लाभ, सामाजिक लाभ और आर्थिक लाभ शामिल है।

जीवन कौशल शिक्षा केवल छात्र जीवन के लिए ही नही अपितु सम्पूर्ण जीवन के लिए है। जीवन की आवश्यकताओं, चुनौतियों और समस्याओं के समाधान के लिए यह एक सशक्त कुँजी हैं।

यक्तित्व विकास से सम्बन्धित समस्त प्रक्रिया का प्रभावशाली संपादन एक शिक्षक की योग्यता, प्रभावशाली व्यक्तित्व, उच्च व सकारात्मक अभिवृत्ति आदि पर आश्रित होता है। बी.एड. प्रशिक्षणार्थी भावी अध्यापक होंगे इसलिए बी.एड. प्रशिक्षणार्थी के द्वारा अपनी महवपूर्ण भूमिका का सफलतापूर्वक निर्वाह तभी किया जा सकता है जबकि वह इसके योग्य व कुशल है अर्थात् जब उनके व्यक्तित्व ज्ञान, जीवन कौशल, अभिवृत्ति चिन्तन, सृजनात्मकता चातुर्य आदि के गुणों का समुचित विकास होगा तभी वह अपने विद्यार्थियों में इन गुणों को विकसित कर पाने में सक्षम होंगे। इसी उद्देश्य को ध्यान में रखकर बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों को जीवन कौशल शिक्षा प्रदान की जाती है।

2. शोध उद्‌देश्य

(1) बी.एड. महिला व पुरूष प्रशिक्षणार्थियों की जीवन कौशल शिक्षा से व्यक्तिगत लाभ के प्रति अभिवृत्ति का तुलनात्मक अध्ययन करना।

(2) बी.एड. महिला व पुरूष प्रशिक्षणार्थियों की जीवन कौशल शिक्षा से शैक्षिक लाभ के प्रति अभिवृत्ति का तुलनात्मक अध्ययन करना।

(3) बी.एड. महिला व पुरूष प्रशिक्षणार्थियों की जीवन कौशल शिक्षा से स्वास्थ्य लाभ के प्रति अभिवृत्ति का तुलनात्मक अध्ययन करना।

(4) बी.एड. महिला व पुरूष प्रशिक्षणार्थियों की जीवन कौशल शिक्षा से सामाजिक लाभ के प्रति अभिवृत्ति का तुलनात्मक अध्ययन करना।

(5) बी.एड. महिला व पुरूष प्रशिक्षणार्थियों की जीवन कौशल शिक्षा से आर्थिक लाभ के प्रति अभिवृत्ति का तुलनात्मक अध्ययन करना।

3. शोध परिकल्पनाएँ

(1) बी.एड. महिला व पुरूष प्रशिक्षणार्थियों की जीवन कौशल शिक्षा से व्यक्तिगत लाभ के प्रति अभिवृत्ति के प्राप्तांकों के मध्यमानों में सार्थक अन्तर नहीं पाया जाता है।

(2) बी.एड. महिला व पुरूष प्रशिक्षणार्थियों की जीवन कौशल शिक्षा से शैक्षिक लाभ के प्रति अभिवृत्ति के प्राप्तांकों के मध्यमानों में सार्थक अन्तर नहीं पाया जाता है।

(3) बी.एड. महिला व पुरूष प्रशिक्षणार्थियों की जीवन कौशल शिक्षा से स्वास्थ्य लाभ के प्रति अभिवृत्ति के प्राप्तांकों के मध्यमानों में सार्थक अन्तर नहीं पाया जाता है।

(4) बी.एड. महिला व पुरूष प्रशिक्षणार्थियों की जीवन कौशल शिक्षा से सामाजिक लाभ के प्रति अभिवृत्ति के प्राप्तांकों के मध्यमानों में सार्थक अन्तर नहीं पाया जाता है।

(5) बी.एड. महिला व पुरूष प्रशिक्षणार्थियों की जीवन कौशल शिक्षा से आर्थिक लाभ के प्रति अभिवृत्ति के प्राप्तांकों के मध्यमानों में सार्थक अन्तर नहीं पाया जाता है।

4. शोध प्रविधियाँ :–

4.1 विधि :–प्रस्तुत शोध अध्ययन के लिए सर्वेक्षण विधि का चयन किया गया है।

4.2 न्यादर्श :–प्रस्तुत शोध मेंन्यादर्श के अन्तर्गत सौद्देश्य विधि का प्रयोग करते हुए जयपुर जिले के 4शिक्षा महाविद्यालयों के 100बी. एड प्रशिक्षणार्थियों का यादृच्छिक विधि से चयन किया गया है।

4.3 उपकरणः–'स्वनिर्मित अभिवृत्ति मापनी का निर्माण किया गया जिसके आधार पर महिला व पुरूष बी. एड प्रशिक्षणार्थियों को जीवन कौशल शिक्षा से व्यक्तिगत लाभ, शैक्षिक लाभ, सामाजिक लाभ और आर्थिक लाभ के प्रति अभिवृत्ति का मापन किया गया।

वैधता व विश्वसनीयता :–स्वनिर्मित अभिवृत्ति मापनी के 40 कथनों की वैधता व विश्वसनीयता का मापन परीक्षण व पुनः परीक्षण द्वारा किया गया तथा स्वनिर्मित अभिवृत्ति मापनी की विश्वसनीयता व वैधता निकाली गई।

4.4 प्रदत्त संचयन

1. शोधकर्त्री द्वारा शोध कार्य के लिये सर्वप्रथम जयपुर शहर का चयन किया गया जिसमें शोधकर्त्री द्वारा चार शिक्षा महाविद्यालयों में से 100 बी.एड. महिला व पुरूष प्रशिक्षणार्थियों का चयन किया गया ।
2. शोधकर्त्री द्वारा शोध कार्य में उपकरण हेतु स्वनिर्मित अभिवृत्ति मापनी का निर्माण किया जिसमें 40 कथनों को निर्मित किया जो कि जीवन कौशल शिक्षा से संबंधित थे। इनमें उत्तरों के लिए पाँच विकल्प रखे गये –पूर्णतः सहमत, सहमत, तटस्थ, असहमत, पूर्णतः असहमत। इस प्रश्न पत्र को प्रशासित करने से पूर्व सभी बी.एड प्रशिक्षणार्थियों को सामान्य निर्देश दिये गये।
3. सभी बी.एड महिला व पुरूष प्रशिक्षणार्थियों को जीवन कौशल शिक्षा पर आधारित प्रश्न पत्र के अनुरूपक उत्तर देने के निर्देश दिये गये।
4. तत्पश्चात् बी.एड प्रशिक्षणार्थियों की जीवन कौशल शिक्षा के प्रति अभिवृत्ति मापनी का प्रशासन पूर्व नियोजित सूचना व कार्यक्रम के अनुसार किया गया।
5. प्राप्त आंकड़ों का संकलन कर उसका मध्यमान, प्रमाणिक विचलन व टी मूल्य ज्ञात किया गया।
6. टी मूल्य के आधार पर प्रत्येक पद का विश्लेषण किया गया।
7. प्रदत्तों का विश्लेषण ग्राफ डायग्राम के आधार पर किया गया।
8. विश्लेषण के आधार पर निष्कर्ष व परिणाम प्राप्त हुए।

5. परिणाम

क्र. सं.	समूह	न्यादर्श (N)	मध्यमान (M)	प्रमाणिक विचलन (SD)	टी–मूल्य (t- Value)	परिणाम
1.	बी.एड महिला व पुरूष प्रशिक्षणार्थी (व्यक्तिगत लाभ)	50	11.48	3.27	1.63	स्वीकृत
		50	10.5	2.7		
2.	बी.एड महिला व पुरूष प्रशिक्षणार्थी (शैक्षिक लाभ)	50	9.64	3.73	1.44	स्वीकृत
		50	8.62	3.22		
3.	बी.एड महिला व पुरूष प्रशिक्षणार्थी (स्वास्थय लाभ)	50	9.62	3.44	1.67	स्वीकृत
		50	8.5	3.21		
4.	बी.एड महिला व पुरूष प्रशिक्षणार्थी (सामाजिक लाभ)	50	11.54	3.47	1.65	स्वीकृत
		50	10.4	3.27		
5.	बी.एड महिला व पुरूष प्रशिक्षणार्थी (आर्थिक लाभ)	50	10.98	3.84	1.64	स्वीकृत
		50	9.7	3.87		

6. परिणामों की विवेचना

- परिकल्पना - 1 में : स्वतंत्रता की कोटि 98 के सार्थकता स्तर 0.05 पर टी तालिका मूल्य 1.98 प्राप्त हुआ है एवं स्वतंत्रता की कोटि 98 पर टी गणना मूल्य 1.63 प्राप्त हुआ है। चूँकि गणना से प्राप्त मान 1.64 सारणी मान से प्राप्त मान 1.98 से कम है अतः शोधकर्त्री द्वारा निर्मित परिकल्पना स्वीकृत की जाती है।
- परिकल्पना - 2 में : स्वतंत्रता की कोटि 98 के सार्थकता स्तर 0.05 पर टी तालिका मूल्य 1.98 प्राप्त हुआ है एवं स्वतंत्रता की कोटि 98 पर टी गणना मूल्य 1.44 प्राप्त हुआ है। चूँकि गणना से प्राप्त मान 1.44 सारणी मान से प्राप्त मान 1.98 से कम है अतः शोधकर्त्री द्वारा निर्मित परिकल्पना स्वीकृत की जाती है।
- परिकल्पना – 3 में : स्वतंत्रता की कोटि 98 के सार्थकता स्तर 0.05 पर टी तालिका मूल्य 1.98 प्राप्त हुआ है एवं स्वतंत्रता की कोटि 98 पर टी गणना मूल्य 1.67 प्राप्त हुआ है। चूँकि गणना से प्राप्त मान 1.67 सारणी मान से प्राप्त मान 1.98 से कम है अतः शोधकर्त्री द्वारा निर्मित परिकल्पना स्वीकृत की जाती है।
- परिकल्पना –4 में : स्वतंत्रता की कोटि 98 के सार्थकता स्तर 0.05 पर टी तालिका मूल्य 1.98 प्राप्त हुआ है एवं स्वतंत्रता की कोटि 98 पर टी गणना मूल्य 1.65 प्राप्त हुआ है। चूँकि गणना से प्राप्त मान 1.65 सारणी मान से प्राप्त मान 1.98 से कम है अतः शोधकर्त्री द्वारा निर्मित परिकल्पना स्वीकृत की जाती है।

- परिकल्पना – 5 में: स्वतंत्रता की कोटि 98 के सार्थकता स्तर 0.05 पर टी तालिका मूल्य 1.98 प्राप्त हुआ है एवं स्वतंत्रता की कोटि 98 पर टी गणना मूल्य 1.64 प्राप्त हुआ है। चूँकि गणना से प्राप्त मान 1.64 सारणी मान से प्राप्त मान 1.98 से कम है अतः शोधकर्त्री द्वारा निर्मित परिकल्पना स्वीकृत की जाती है।

7. शैक्षिक निहितार्थ

प्रस्तुत शोध अध्ययन के द्वारा बी.एड. महिला व पुरूष प्रशिक्षणार्थियों की जीवन कौशल शिक्षा के प्रति अभिवृत्ति के विषय में ज्ञान प्राप्त किया जा सकेगा।

शोध अध्ययन से बी.एड. प्रशिक्षणार्थी सेवापूर्व एवं सेवारत सभी शिक्षक जीवन कौशल शिक्षा की आवश्यकता व महत्व को समझ सकेंगे तथा जीवन कौशल शिक्षा से व्यक्तिगत लाभ, शैक्षिक लाभ, स्वास्थ्य लाभ, सामाजिक लाभ एवं आर्थिक लाभों को प्राप्त कर विद्यार्थियों को जीवन कौशल शिक्षा हेतु प्रेरित कर पायेंगे। शिक्षक बालकों में जीवन कौशल शिक्षा के प्रति सकारात्मक अभिवृत्ति विकसित कर पायेंगे।

अभिभावक बालकों को जीवन कौशलों के विकास में मदद कर सकेंगे। अभिभावक बालकों को सुरक्षित और अच्छा वातावरण प्रदान कर उनमें विभिन्न जीवन कुशलताओं को विकसित करने में मदद कर सकेंगे। सभी विद्यार्थियों में जीवन कौशलों को ग्रहण करने की जिज्ञासा और अधिक उत्पन्न होगी।

8. संदर्भ सूची

1. अरोड़ा, रीता मारवाह (2008), ''शिक्षा मनोविज्ञान एवं सांख्यिकी'', जयपुर, शिक्षा प्रकाशन।
2. कपिल, एच. के. (2007), ''रिसर्च मैथड्स'', आगरा, एच. पी. भार्गव बुक हाउस।
3. परिहार, एम (1994), ''ए स्टडी ऑफ इफेक्ट ऑफ मीडिया ऑन स्टूडेन्ट लर्निंग'', नई दिल्ली, नेशनल बुक ट्रस्ट इण्डिया।
4. रूहेला, प्रो० सत्यपाल (2005), ''आधुनिक मनोवैज्ञानिक परीक्षण व मापन'', आगरा, एच.पी. भार्गव बुक हाउस।
5. सरीन एण्ड सरीन (2006), ''शैक्षिक अनुसंधान की विधियाँ'', आगरा, वेदान्त पब्लिकेशन्स।

WEBSITE REFERENCE

- *www.workstress.nic.in*
- *www.workopedia.com*
- *www.dessertationtopic.com*
- *www.wikipedia.com*
- *www. about. com/ health. htm*

Corresponding Author

* **श्रीमती मालती सक्सेना,** रिसर्च स्कॉलर,

जगदीश प्रसाद झाबरमल टिबड़ेवाल विश्वविद्यालय, चुड़ैला, झुन्झुनू

Mobile - 9799996834